नाम *NAME*	: रघुवेन्द्र तंवर **RAGHUVENDRA TANWAR**	
वर्तमान पद *PRESENT POSITION*	i. : **प्रोफेसर एमेरिटस कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र – 136 119 Professor Emeritus, Kurukshetra University, Kurukshetra – 136 119**	
	ii. : **निदेशक हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी कुरूक्षेत्र – 136118 Director Haryana Academy of History and Culture, Kurukshetra – 136 118**	
जन्म तिथि Date of Birth	: **20 फरवरी, 1955** : **20 February, 1955**	
शिक्षा Qualification	: **एम. ए. (इतिहास), पी.एच.डी** : **M.A. (History), Ph.D.**	
Email	: **ragutanwar@gmail.com**	

सेवा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय / SERVICE AT KURUKSHETRA UNIVERSITY

शिक्षक पद / FACULTY POSITIONS

यूनिवर्सिटी कॉलेज, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय / UNIVERSITY COLLEGE, KURUKSHETRA

प्रवक्ता / सहायक प्रोफेसर इतिहास : 8.8.1977 to 17.2.1985
Lecturer/Assistant Professor History

इतिहास विभाग / DEPARTMENT OF HISTORY

a) **प्रवक्ता / सहायक प्रोफेसर (Lecturer/Assistant Professor)** : 18.2.1985 to 15.9.1992
b) **रीडर (Reader/Associate Professor)** : 16.9.1992 to 28.3.1997
c) **प्रोफेसर (Professor** – Open selection**)** : 29.3.1997 to 18.1.2015
d) **सीनियर प्रोफेसर Senior Professor** (Stage VI) : 19.1.2015 to 28.2.2015 (date of retirement)

Total Teaching Experience 37 years 6 months
(कुल शिक्षण अनुभव – 37 साल 6 महीने)

प्रशासनिक / ADMINISTRATIVE

a) अधिष्ठाता शैक्षणिक
Dean Academic Affairs (11.3.2014 to 23.2.2015 date of supernuation)

b) कुलसचिव
Registrar (1.12.2008 to 15.5.2011)

c) अधिष्ठाता सामाजिक विज्ञान संकाय
Dean, Faculty of Social Sciences (8.7.2008 to 7.7.2011)

d) अधिष्ठाता छात्र कल्याण
Dean Students' Welfare (24.7.2005 to 30.11.2008)

e) अध्यक्ष, विश्वविद्यालय संग्रहालय; धरोहर
Head, University Museum (Dharohar) (2008 to 2011)

f) प्रमुख, संग्रहालय समर्पित प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857
Head, Museum Dedicated to the First War of Independence-1857 (May, 2011 to 28.2.2015)

g) संपादक, विश्वविद्यालय जरनल ऑफ हरियाणा स्टडीज
Editor, University Journal of Haryana Studies (April 2007 to Jan. 2009)

h) निदेशक, महात्मा गांधी अखिल भारतीय सर्विसेज कोचिंग सेंटर
Director, Mahatma Gandhi All India Services Coaching Centre (Jan. 1996 to Feb. 2000)

i) अध्यक्ष, इतिहास विभाग
Chairperson, Department of History (March 2005 to March 2008)

j) जन संपर्क अधिकारी (निदेशक)
Public Relations Officer (Director) (March 1986 – July 1986; Dec. 1989 – Aug. 1992)

k) विश्वविद्यालय समन्वयक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Coordinator for the University Grants Commission (May 2008 to Jan. 2009)

l) समन्वयक, विश्वविद्यालय नैक संचालन समिति
Coordinator, University NAAC Steering Committee (April 2013 to 28.2.2015)

शैक्षणिक विशिष्टता/ACADEMIC DISTINCTIONS

(a)	**प्रथम श्रेणी स्वर्ण पदक सहित** **First Class First Gold Medal**	एम.ए. इतिहास, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 1977 M.A. History, Kurukshetra University (1977)
(b)	**दोहरा स्वर्ण पदक** **Double Gold Medal**	सामाजिक विज्ञान संकाय में सबसे अधिक अंक प्रतिशत अर्जित करने पर (1977) For securing the highest percentage of marks in the Social Science Faculty, Kurukshetra University (1977)

विशेष सम्मान / SPECIAL HONOUR

(a) **प्रोफेसर एमेरिटस**
Professor Emeritus

शिक्षण, अनुसंधान एवं विश्वविद्यालय के समग्र विकास में योगदान देने हेतु सम्मान स्वरुप अप्रैल, 2015 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर एमेरिटस की उपाधि से सम्मानित किया गया।

Conferred title of Professor Emeritus by Kurukshetra University, Kurukshetra (April, 2015). Title conferred for life "in recognition of contribution to teaching, research and overall development of the University".

राष्ट्रीय सम्मान / राष्ट्रीय व्याख्यान /NATIONAL HONOURS/ NATIONAL LECTURES

a) **अध्यक्ष भारतीय इतिहास कांग्रेस (समकालीन) (2008)**
President Indian History Congress (Contemporary) (2008)

इस नयी संस्था का प्रथम अध्यक्ष बनाकर सम्मानित किया गया।

A special honour to be the first, to be made the President of this new section.

b) **मुख्य अध्यक्ष**
पंजाब इतिहास सम्मेलन (2017)
General President
Punjab History Conference (2017)

c) **अध्यक्ष पंजाब इतिहास कांग्रेस (आधुनिक) (2001)**
President Punjab History Congress (Modern) (2001)

यह संस्था देश के क्षेत्रीय इतिहास में सबसे पुरानी एवं महत्वपूर्ण संस्था है।

This body is the most important and oldest organization on Regional history in the country.

d) **प्रो. गैंडा सिंह मैमोरियल व्याख्यान (2013)**
Prof. Ganda Singh Memorial Lecture (2013)

पंजाब ऐतिहासिक अध्ययन विभाग, पटियाला द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित वार्षिक व्याख्यान।

Prestigious Annual Lecture organized by the Department of Punjab Historical Studies, Patiala.

e) **प्रो. सीता राम कोहली मैमोरियल व्याख्यान (2014)**
Prof. Sita Ram Kohli Memorial Lecture (2014)

पंजाब इतिहास सम्मेलन द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित वार्षिक व्याख्यान।

Prestigious Annual Lecture organized by the Punjab History Conference.

f) **प्रो. हरी राम गुप्ता मैमोरियल व्याख्यान (2015)**
Prof. Hari Ram Gupta Memorial Lecture (2015)

इतिहास विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित वार्षिक व्याख्यान।

Prestigious Annual Lecture organized by the Department of History, Punjab Univeristy, Chandigarh.

अंतर्राष्ट्रीय सम्मान/INTERNATIONAL HONOURS

a) **इतिहासकारों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समग्र व्याख्यान (2008)**

Delivered Plenary lecture at International Conference of Historians, UK (2008)

'भारत और पाकिस्तान की स्वतंत्रता – साठवीं वर्षगांठ पर विचार मंथन' साउथेम्पटन विश्वविद्यालय, यू.के।

'*The Independence of India & Pakistan Sixtieth Anniversary Reflections***',** University of Southampton, U.K.

* **राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों में बड़ी संख्या में मुख्य अभिभाषण व विगत कुछ वर्षों में विभिन्न महाविद्यालयों/संस्थानों के दीक्षान्त समारोहों में दीक्षांत भाषण।**

Large number of Key note addresses at National/International Seminars/ Conferences and Convocation addresses delivered at Colleges and other institutions over the years.

राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार/अधिछात्रवृत्ति

NATIONAL RESEARCH AWARDS/FELLOWSHIPS

i. **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय अधिछात्रवृत्ति (अनुसंधान हेतु पुरस्कृत) (2002–2005)**

University Grants Commission-National Fellow (Research Awardee) 2002-05.

ii. **भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद विदेशी स्रोत परामर्श अधिछात्रवृत्ति (2005)**

Indian Council of Historical Research Foreign Sources Consultation Fellowship (2005).

iii. **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रमुख अनुसंधान परियोजना (2013–2015)**

UGC Major Research Project. April, 2013 (ongoing)

कश्मीर विवाद 1947–48: प्रारंभिक समकालीन दृष्टिकोण, प्रतिक्रिया व प्रैस रिर्पोटिंग का अध्ययन।

"The Kashmir Dispute 1947-48: A study of Early Contemporary Views, Reactions and Press Reporting".

अनुसंधान एवं लेखन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान एवं प्रभाव
IMPACT FACTOR/RECOGNITION OF RESEARCH AND WRITINGS AT INTERNATIONAL LEVEL

प्रमुख प्रकाशन
MAJOR PUBLICATIONS

a) **रिर्पोटिंग द पार्टिशन ऑफ पंजाबः प्रैस पब्लिक एण्ड अदर ओपिनियन 1947 (2006)**

Reporting the Partition of Punjab: Press Public & other Opinions 1947 (648 pages) (2006) (Manohar, New Delhi), ISBN: 81-7304-674-3, (Vanguard, Lahore) ISBN: 969-402-500-1

अंतर्राष्ट्रीय जरनलों में की गई समीक्षाओं का संक्षेप
EXTRACTS OF REVIEWS FROM INTERNATIONAL JOURNALS

पुस्तक की समीक्षा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित इतिहासकारों द्वारा यूएसए, कनाडा, यूके और भारत के प्रतिष्ठित जरनलों में की गई।

The book was reviewed by leading historians for internationally reputed journals in the USA, Canada, UK and India.

(i) Prof. Sumit Ganguly, Professor Rabindranath Tagore Chair, Indiana University, USA (Harvard University project – *Journal of Cold War Studies*, Vol.10. Issue 3 Summer, 2008).

''..रघुवेन्द्र तंवर की विद्धता निष्कपट तथा अद्भुत है। उन्होंने विस्तृत अध्ययन सामग्री का गहन अध्ययन कर बताया कि किस प्रकार से राज्य का विभाजन अस्तित्व में आया, किन लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा विभाजन के पश्चात का दुख... तंवर का योगदान उनकी क्षमताओं के अनुरुप मौजुदा ऐतिहासिक मंच पर एक अन्य आवरण प्रदान करता है। स्थानीय मुद्दों के प्रति उनका ध्यान ही उनकी पुस्तक को ऐतिहासिक विद्धता की मिसाल बनाता है... तंवर का प्रभावशाली कार्य अन्य लोगों के लिए एक उपयोगी स्रोत साबित हो सकता है।''

"...Raghuvendra Tanwar's scholarship is careful, honest, and prodigious. He has sifted thorough a vast corpus of material to provide a through account of how the state came to be partitioned, the role of key players, and the tragic aftermath of partition... Tanwar's contribution lies in his ability to provide a more substantive integument to the existing historical

scaffolding. His attention to matters of local detail is what makes his book an important piece of historical scholarship… Tanwar's impressive work provides much useful grist for this mill"

(ii) Prof. Ian Talbot, Professor of History, University of Southampton, UK - *The Book Review* Vol. XXX No. 10 October, 2006. He currently holds a Chair in British History at the University of Southampton. He was formerly Director of the Centre for South Asian Studies at Coventry University.

''...प्रो. तवंर की न्यायपूर्ण लेखन शैली के कारण यह एक महत्वपूर्ण स्रोत पुस्तक के रुप में उपयोगी हो सकती है। सांप्रदायकिता एवं महिलाओं के अपहरण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर एक तरफा दोषारोपण से बचा जा सकता है... इन्होंने अखबारों के संपादकीयों, प्रतिवेदनों एवं पत्रों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया... समकालीन शंकर वीकली के चयनित निशब्द कार्टूनों का सावधानी पूर्ण चयन करके उपयोग किया... यह कार्य पूर्णतयाः स्रोत पुस्तक के रुप में उपयोगी हो सकता है... इसमें ऐतिहासिक न्याय एवं परिपक्वता का सम्पूर्ण प्रर्दशन होता है।

...संक्षिप्त में यह सटीक ढंग से किया गया अनुसंधान कार्य है। यह विषय के लिए कई प्रकार की नयी जानकारियां प्रदान करता है। ... ऐसी पुरानी सामग्री का प्रयोग किया गया है जिसे पहले बहुत कम उपयोग में लाया गया ...यह नयी सामग्री आम पाठकों के लिए झकझोरने वाली हो सकती है...यह विषेशज्ञों के लिए ज्यादा हितकर है। उपयोगी अंतरदृष्टि प्रदान करती है... पंजाब की दो दुनियाओं की इस पुस्तक के माध्यम से जो छवि पेश की गई है वह विभाजन के मुद्दे पर अत्यन्त महत्वपूर्ण तथा उपयोगी योगदान है। इसी कारण से यह व्यापक पाठकों तक पहुंचनी चाहिए।

"... Professor Tanwar judiciously avoids one sided blame appointment when

covering such sensitive issues as communal violence and the abduction of women… It skillfully utilizes, newspaper editorials, reports and letters… The unsparing textual narrative is accompanied by carefully selected contemporary cartoons drawn primarily from Shankar's Weekly… the work for all its wealth of material is primarily a useful source book… given the level of historical judgment and maturity that is displayed throughout. … In sum, this is meticulously researched work. It brings much new material to the subject. Good use is made of previously underutilized private papers… Some of the new material may shock the general reader, much of it is of interest to the specialist. Useful insights are provided… The volume's reflection on the two worlds of Punjab is, however, the most important and useful contribution to the subject matter of Partition. For this reason it is deserving of wide readership".

b) **पालिटिक्स ऑफ शेरिंग पावरः द पंजाब यूनियनिस्ट पार्टी 1923–1947 (1999)**

Politics of Sharing Power: The Punjab Unionist Party - 1923-1947 (1999) (Manohar, New Delhi) ISBN: 81-7304-272-1

पुस्तक को अभिभाजित (विभाजन पूर्व) पजांब में प्रचलित राजनैतिक प्रणाली के प्रथम प्रमाणिक अध्ययन की मान्यता हासिल है।

The book was received as the first authentic study of the political system that prevailed in the undivided (pre-partition) Punjab. Is in worldwide circulation.

c) **बंसी लालः लाईफ एण्ड टाईम्स – एन इलूस्ट्रैटड क्रोनिकल (2012)**
Bansi Lal: Life and Times – An Illustrated Chronicle
(co-author) (2012) (S. Chand & Co., New Delhi) ISBN: 81-219-9764-X

आधुनिक हरियाणा के निर्माण पर आधारित एक ऐतिहासिक जीवनी। पुस्तक व्यापक रुप से सराही गई। हिन्दी में भी उपलब्ध।

A biographical history with focus on the making of modern of Haryana. The book has been widely acclaimed. A Hindi Edition is also available.

d) **फ्रैंकली स्पीकिंगः ऐसे एण्ड ओपिनियन (2013)**

यह 1990 के दशक में अखबारों में प्रकाशित लेखों का संग्रह है।

Frankly Speaking: Essays & Opinions, (2013) (Hope India, Gurgaon) ISBN: 81-7871-189-3

This is a collection of articles contributed to national newspapers mainly in the 1990s.

e) **इन्ट्रोडक्सन टू विनायक दामोदर सावरकर (2015)**

Introduction to Vinayak Damodar Savarkar, (2016) (Bhartiya Itihasa Sankalana Yojna, New Delhi)

ISBN : 978-93-82424-24-6

Hindi Edition (2016): Prabhat Prakashan, New Delhi ISBN 978-93-5186-890-3

* राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जनरल/पुस्तकों/प्रकाशनों में बड़ी संख्या में अनुसंधान लेख प्रकाशित।

A large number of research articles published in important journals/ books/ publications both nationally and internationally.

** उच्च शिक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर पिछले लगभग 25 वर्षों से राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों के लिए लेख लिखना। अधिकांश लेख संपादकीय या संपादकीय पृष्ठ के सामने वाले पृष्ठ पर प्रकाशित।

Writing for the last about 25 years for National Dailies on issues of historical and national interest particularly with focus on higher education. Most of the writings are Editorial page or op-ed. page articles.

अनुसंधान निर्देशन/RESEARCH GUIDANCE

i. **पी.एच.डी.** **15** (Awarded – 1 co-supervised);
Ph.D.

ii. **एम.फिल.** **30** (approx.)
M.Phil.

iii. विभिन्न विश्वविद्यालयों के पी.एच.डी. शोधग्रंथ परीक्षक।
Ph.D. thesis examiner for several Universities.

सदस्यः विश्वविद्यालय निकायों में
MEMBER OF UNIVERSITY BODIES

I. Nominated by the Hon'ble President of India in his Capacity as Vistor of the University to the Board of Management of Dr. B.R. Ambedkar Central University Lucknow (2017).

- Nominated to the Academic Council of Himachal Pradesh University by the Governor of Himachal Pradesh in his capacity as Chancellor of the University (Present)

- Nominated by the Governor of Punjab as his nominee to the selection Committees of Guru Nanak Dev University, Amritsar in his capacity as Chancellor of the University (Present)
- Nominee of the Governor of Haryana on the Executive Council of Kurukshetra University in his capacity as Chancellor of the University (Former)
- Nominee of the Governor Haryana on the Executive Council of the Ch. Devi Lal University Sirsa in his capacity as Chancellor of the University (Persent)

II. विश्वविद्यालय के विभिन्न सभी निकायों जैसे कोर्ट, कार्यकारिणी परिषद, शैक्षणिक परिषद, बोर्ड ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज, विश्वविद्यालय स्थापना समिति, शिक्षक चयन समिति आदि की सदस्यता।

Member of different University bodies such as Court; Executive Council; Academic Council; Board of Post Graduate Studies; University Establishment Committee; Selection Committees for faculty positions etc.Nominee of the Chancellor on the Executive Council and selection committees of different Universities.

III. विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विभिन्न महाविद्यालयों की प्रबंध समितियों में।
Management Committees of various University affiliated colleges.

IV. विभिन्न विश्वविद्यालयों की चयन समितियों में।
On Selection Committees of different universities.

सदस्यः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समितियों में
MEMBER OF UNIVERSITY GRANTS COMMISSION AND INDIAN COUNCIL OF HISTORIAL RESEARCH COMMITTEES

i. विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों को दी जाने वाली अनुसंधान एवं यात्रा अनुदान की समीक्षा समिति में (यू.जी.सी. द्वारा विज्ञापित)
On UGC and ICHR Peer Review Committees for research and travel grants etc.

खेलकूद सम्मान
SPORTS HONOURS

i. कप्तान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय लॉन टेनिस टीम, 1975
Captain of the Kurukshetra University Lawn Tennis Team (1975)

अन्य रुचियां
OTHER INTERESTS

i. अनेक शिक्षण संस्थानों एवं शैक्षणिक नीति निर्धारण निकायों से संबंद्ध।
Associated with several educational institutions and educational policy framing bodies.

ii. विशेष रुप से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के उत्थान के लिए कार्य करने वाली सामाजिक/सामुदायिक संस्थाओं से संबंद्ध। संस्थापक सदस्य महाराणा प्रताप स्कूल, कुरुक्षेत्र।
Associated with social/community organizations particularly those working for

spread of education in rural areas. Founding member of the Maharana Pratap School, Kurukshetra.

iii. सम्पूर्ण भारत सहित विश्व की यात्रा।
Widely travelled across India and the world.

iv. जीवनी/आत्मकथा पढ़ना।
Reading biographies/autobiographies.

v. राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों हेतु लेखन।
Writing for national dailies.

FAMILY BACKGROUND

Prof. Raghuvendra Tanwar is married to Prof. Reicha Tanwar. They have two children, a son, Sukarma Sangram Singh and a daughter Sugandhi. Tanwar belongs to a well known landed family of village Lukhi (near Kurukshetra)